BA-Part-I (Hons.) Next
POLITICAL SCIENCE Dep.

Dr. HUSNA ARA
Asst. Professor
Dr. L.K.V.D. College Tajpur
Samastipur

पूना समझौता – अंततः एक समझौता हुआ जिसे पूना समझौता या पूना पैक्ट के नाम से जाना है। 24 सितंबर 1932 में डा० अम्बेडकर तथा अन्य नेताओं के प्रयत्न से यह समझौता हुआ जिसके तहत दलित वर्ग के लिए पृथक निर्वाचक मंडल समाप्त कर दिया गया तथा प्रांतीय सभा में अस्पृश्यों के स्थान हिन्दुओं के अंतर्गत ही सुरक्षित रखे गए। दलित वर्ग को सार्वजनिक सेवाओं एवं स्थानीय संस्थाओं में उनकी शैक्षणिक योग्यता के आधार पर उचित प्रतिनिधित्व देने की व्यवस्था की गई।

भारत छोड़ो आंदोलन

1942 में आए क्रिप्स मिशन के प्रस्ताव भारतीय राष्ट्रवादियों को संतुष्ट करने में असफल रहे तथा सामान्यतया भारतीयों के किसी वर्ग की सहमति प्राप्त नहीं कर सके। इसने भारत को पूर्ण स्वतंत्रता के स्थान पर डोमिनियन स्टेटस का दर्जा देने की बात की। अतः कांग्रेस कार्यसमिति ने वर्धा की बैठक में भारत छोड़ो आंदोलन के प्रस्ताव को स्वीकृति दे दी। 8 अगस्त 1942 को अंग्रेजो भारत छोड़ो का प्रस्ताव पारित किया। इसके तहत घोषणा की गई कि भारत में ब्रिटिश शासन को तुरंत समाप्त किया जाये।

Scanned with CamScanner

गाँधीजी ने समाज के विभिन्न वर्गों को विभिन्न निर्देश दिए जो इस प्रकार हैं -

1. सरकारी सेवक त्यागपत्र नहीं दें लेकिन कांग्रेस से अपनी राजभक्ति घोषित कर दें।
2. सेना से त्यागपत्र नहीं दें किंतु अपने सहयोगियों एवं भारतीयों पर गोली नहीं चलाएं।
3. छात्र, यदि आत्मविश्वास की भावना हो तो सरकारी शिक्षण संस्थाओं में जाना बंद कर दें।
4. कृषक, यदि जमींदार सरकार विरोधी हों तो लगान अदा करते रहें किन्तु यदि जमींदार सरकार समर्थक हो तो लगान अदा करना बंद कर दें।
5. राजे-महाराजे जनता को सहयोग करें तथा अपनी प्रजा की संप्रभुता को स्वीकार करें।

9 अगस्त को प्रातः ही सभी महत्त्वपूर्ण कांग्रेसी नेताओं को बंदी बना लिया गया। इनकी गिरफ्तारी से आंदोलन जनता के हाथों में आ गया। जनता ने सरकारी प्रतीकों पर आक्रमण किया तथा सरकारी भवनों पर बलपूर्वक तिरंगा फहराया। सत्याग्रहियों ने गिरफ्तारियां दीं, पुल उड़ा दिये गये, रेलों की पटरियां उखाड़ दी गई, तार एवं टेलीफोन की लाइनें काट दी गईं। राममनोहर लोहिया, जयप्रकाश नारायण, अरुणा आसफ अली, उषा मेहता, बीजू पटनायक, अच्युत पटवर्धन, सुचेता कृपलानी आदि भूमिगत गतिविधियां संचालित करने वाले अग्रगण्य नेताओं में से थे।

Dr. Akhtra Ara
Asst. Professor.

Scanned with CamScanner